



केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

(संसद के अधिनियम / द्वारा स्थापित 2009 वर्ष ,Established under the Act of Parliament in 2009)
TEJASWINI HILLS, PERIYA P.O., KASARAGOD - 671316, KERALA

HEAD
DEPARTMENT OF HINDI & COMPARATIVE LITERATURE

CUR/HEAD/HINDI/2594/2021

Board of studies meeting Dept. of Hindi & Comparative Literature held on 21st April 2021

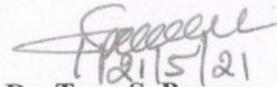
Venue : HoD Chamber/online

Agenda : Restructure of syllabus of M.A Hindi, Ph.D Course work, PG Diploma course in Hindi Translation and Office Procedure, PG Diploma in Hindi Journalism and Media Writing and Hindi Communicative Bridge Course.

Chair : Dr. Taru S.Pawar, Head of the Department

Board of studies Members

Sl No	Name of the Members	Designation	Signature
01	Dr. Taru S. Pawar	Chairperson	Online
02	Prof. Sudha Balakrishnan	Member	Online
03	Dr. Dharmendra Pratap Singh	Member	Online
04	Dr. Shalini M	Member	Online
05	Dr. Jayanti Prasad Nautiyal	Member	Online
06	Prof. R. Jayachandran	Member	Absent
07	Prof. Shanti Nair	Member	Online
08	Dr. Suma T. Rodanwar	Member	Online


21/5/21

Dr. Taru S. Pawar

Chairperson

विभागाध्यक्ष / Head of the Dept.
हिन्दी विभाग / Dept. of Hindi
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Kerala
कासरगोड / Kasaragod



LTO 4102- अनुवाद का अनुप्रयुक्त / साहित्यिक एवं साहित्येतर / व्यवहारिक पक्ष

Course Code	LTO 4102	Semester	I(First)
Name of Course	अनुवाद का अनुप्रयुक्त /साहित्यिक एवं साहित्येतर / व्यवहारिक पक्ष (Anuvad Ka Anuprayukt/SahityikEvamSahityetar/VyavharikPaksh)		
Speciality	कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Skill Development and Employability Course)		
Credit / क्रेडिट-04	Contact Hours: L-03, T-01=04	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

अनुवाद के सिद्धांत के बाहर भी बहुत सारी बातें समझनी हैं। यह अध्ययन, अभ्यास और अनुवादकों के संपर्क के साथ ही संभव है। साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद को समझते हुए प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से परिचय इस पाठ्यक्रम में होगा। पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुवाद, वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद, व्यावसायिक अनुवाद पर विस्तृत विवेचन होगा। साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद में रूबरू होते समस्याओं को समझकर उसके समाधान का प्रयास करना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- अनुवाद के विविध समस्याओं को समझकर उसका समाधान ढूँढ निकलने में सक्षम करना।
- साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद के अंतर को स्पष्ट समझकर आवश्यकतानुसार अनुवाद कार्य करने में प्रवीणता हासिल करना।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियों से परिचित होने से व्यवहारिक अनुवाद में सहायता मिलेगी।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई-एक

1 साहित्यिक अनुवाद एवं समाजशास्त्रीय अनुवाद

2 प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद

क) प्रयोजनमूलक भाषा : अवधारणा और अर्थ

ख) प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति की संकल्पना

ग) हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियों का संक्षिप्त परिचय

3. पत्रकारिता एवं अनुवाद

- क) समाचार सन्दर्भ
- ख) समाचारों के अनुवाद का पक्ष
- ग) विज्ञापन, खेलकूद समाचार तथा फिल्म सम्बन्धी सामग्री का अनुवाद

इकाई-दो

4. वैज्ञानिक तकनीकी एवं प्रयोजनमूलक अनुवाद

- क) विज्ञान एवं विशेष भाषाई क्षेत्र
- ख) वैज्ञानिक लेखन की तथ्यपरता और अनुवाद
- ग) वैज्ञानिक विषयों का क्षेत्र
- घ) विज्ञान की विशिष्ट भाषा

इकाई-तीन

5. व्यावसायिक और कार्यालयी अनुवाद

- क) व्यावसायिक अनुवाद
 - i. बैंक के पत्रों – प्रपत्रों का अनुवाद
 - ii. बैंकिंग शब्दावली
- ख) कार्यालयी अनुवाद
 - i. प्रशासन का क्षेत्र
 - ii. कार्यालय का स्वरूप
 - iii. प्रपत्रों का अनुवाद (आदेश, अनुदेश, ज्ञापन, विज्ञप्ति)
 - iv. प्रशासनिक पदनाम और अनुवाद
 - v. कार्यालय के पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद
 - vi. कार्यालयी अभिव्यक्तियों का अनुवाद

इकाई-चार

6. साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ

- क) नाटक के संवादों के अनुवाद की समझभाषिक समस्याएँ
- ख) कथासाहित्य के अनुवादों में आंचलिक भाषा के अनुवाद की समस्याएँ
- ग) कविता के अनुवादों की समस्याएँ

7. साहित्येत्तर अनुवाद की समस्याएँ

- क) मशीनी अनुवाद की समस्याएँ
- ख) आशु अनुवाद की समस्याएँ
- ग) पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ

लिप्यंतरण की समस्याएँ

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) : लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60) खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।